VISION IAS

www.visionias.in

07 SEP 2019

GENERAL STUDIES (TEST CODE : 1246)

Name of Candidate	Bhanu Pratap Singh		
Medium Eng./Hindi	Hindi	Registration Number	635609
Center	MN, Delhi	Date	07-09-19

INDEX TABLE

Q. No.	Maximum Marks	Marks Obtained
1	10	
2	10	
3	10	
4	10	
5	10	
6	10	
7	10	
8	10	
9	10	
10	10	
11	15	
12	15	
13	15	
14	15	
15	15	
16	15	
17	15	
18	15	
19	15	
20	15	

Total Marks Obtained:

Remarks:

INSTRUCTIONS

1. Do furnish the appropriate details in the answer sheet (viz. Name, Registration Number and Test Code).
   उत्तर पुस्तिका में सूचनाएं भरना आवश्यक है (नाम, प्रश्न–पत्र कोड, विद्यार्थी क्रमांक आदि)।
2. There are **TWENTY** questions printed in **ENGLISH & HINDI**
   इसमें बीस प्रश्न हैं अंग्रेजी और हिन्दी में छपे हैं।
3. **All questions are compulsory.**
   सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
4. The number of marks carried by a question/part is indicated against it.
   प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं।
5. Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate, which must be stated clearly on the cover of this Question-Cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in medium other that the authorized one.
   प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश पत्र में किया गया है और उस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न–सह–उत्तर (क्यूसीए) पुस्तिका के मुख्य पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिए गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।
6. Word limit in questions, if specified, should be adhered to.
   प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिए।
7. Any page or portion of the page left blank in the Question-Cum-Answer Booklet must be clearly struck off.
   उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए।

EVALUATION INDICATORS

1. Contextual Competence
2. Content Competence
3. Language Competence
4. Introduction Competence
5. Structure - Presentation Competence
6. Conclusion Competence

Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:

1.

2.

3.

4.

5.

6.

All the Best

VISION IAS™

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

1. Rock-cut structures were closely associated with various religions and religious activities. Discuss the statement giving relevant examples.

(150 words) 10

शैलोत्कीर्ण संरचनाएँ विभिन्न धर्मों और धार्मिक गतिविधियों से घनिष्ठता से संबंधित थीं। प्रासंगिक उदाहरण प्रस्तुत करते हुए इस कथन की विवेचना कीजिए।

माइकल एंजेलो का कथन है कि "पत्थर के प्रत्येक टुकड़े में मूर्ति है और मूर्तिकार का काम है इसे खोजना।"

शैलोत्कीर्ण संरचनाएँ विभिन्न धर्मों एवं धार्मिक गतिविधियों से इस प्रकार संबंधित हैं:-

- अजंता की गुफाएँ रॉक-कट इंजीनियरिंग का शानदार उदाहरण हैं। यह बौद्ध धर्म से संबंधित है। इनका निर्माण आंध्र सातवाहन शासकों द्वारा किया गया।

इनमें बौद्ध धर्म से संबंधित गतिविधियाँ जैसे मरणासन्न राजकुमारी का चित्र, बुद्ध का निर्वाण, बोधिसत्व के चित्र उकेरे गए हैं।

- इसके अलावा एलोरा की गुफाएँ (राष्ट्रकूट शासक) बौद्ध, जैन व हिन्दू धर्म

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

से संबंधित है।

इनमें शेषशय्या पर शयन करते भगवान विष्णु हिन्दुओं के धार्मिक क्रियाकलाप - देवशयन पक्ष को बतलाते है।

- इसके अलावा एलोरा की गुफाएं जैन, बौद्ध, शैव संप्रदाय से संबंधित हैं। इनमें शिव को अर्द्धनारीश्वर की मूर्ति, पाणिग्रहण संस्कार उल्लेखनीय है।

- इसके साथ ही भाजा बाघ की गुफाएं, इसके साथ सित्तनवासल की गुफाएं भी क्रमश: बौद्ध व जैन धर्म के अनेक क्रियाकलापों को प्रदर्शित करती है।

अत: शैलोत्कीर्ण संरचनाएं धर्म व उसके क्रियाकलापों का वैश्विक मानी जा सकती है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

2. The legislative and administrative record of the Congress Ministries during their twenty-eight months rule under the Act of 1935 was positive, but the period also witnessed the emergence of serious weaknesses in the Congress. Discuss. **(150 words) 10**

1935 के अधिनियम के अंतर्गत अट्ठाईस महीनों के शासनकाल के दौरान कांग्रेस मंत्रालयों का विधायी और प्रशासनिक रिकॉर्ड सकारात्मक रहा था, लेकिन यह अवधि कांग्रेस के भीतर गंभीर कमजोरियों के उभरने का भी साक्षी बनी। चर्चा कीजिए।

भारत सरकार अधि, 1935 के तहत कांग्रेस मंत्रालयों का गठन एक महत्वपूर्ण घटना थी। इस दौरान निम्नांकित विधायी और प्रशासनिक रिकॉर्ड कायम हुए :–

- अनेक कांग्रेसी मंत्रिमंडलों ने जमींदारी प्रथा, वैधता, नजरबंदी इत्यादि को समाप्त कर दिया। उदा० और कानून घोषित कर दिया। बिहार सरकार के लिए
- इस दौरान दमनकारी कानूनों का विरोध कांग्रेसी नेताओं द्वारा किया गया।
- उ०प्र. में वेतन भत्ता न करने के मुद्दे को भी विधानमंडल में उठाया गया।

लेकिन इस दौरान कांग्रेस के भीतर निम्नांकित कमजोरियां उभरकर सामने आयीं :-

- एकल एवं समरूप कानूनों की मांग के अभाव ने राष्ट्रीय एकता को खंडित किया।
- स्वराजियों एवं गैर-परिवर्तनवादियों के बीच टकराव खुलकर सामने आना।
- कुछ विशेष ठोस कार्य न कर पाने के कारण जनता में सकारात्मक संदेश नहीं पहुंच पाना।
- अंग्रेजों की फूट डालो राज करो की नीति को कांग्रेसी नेता समझ नहीं पाये।

कुल मिलाकर कतिपय कमियों के बावजूद जरूरत पड़ने पर मंत्रीमंडल से 1939 में इस्तीफा देकर कांग्रेस मंत्रीमंडलों ने साहसिक देशभक्ति का परिचय दिया।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

3. Kamladevi Chattopadhyay was a multifaceted personality with significant contributions both to pre and post independence India. Elucidate.

(150 words) 10

कमला देवी चट्टोपाध्याय का व्यक्तित्व बहुआयामी था। उनका स्वतंत्रता पूर्व और स्वातंत्र्योत्तर भारत में योगदान महत्वपूर्ण था। स्पष्ट कीजिए।

भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में कमला देवी चट्टोपाध्याय एक शिखर व्यक्तित्व मानी जाती है। उनका बहुआयामी व्यक्तित्व था।

स्वतंत्रता पूर्व योगदान :-

⇒ स्वतंत्रता पूर्व उन्होंने देश की आजादी हेतु सविनय अवज्ञा आंदोलन में भाग लिया।

⇒ इसके अलावा बंगाल में महिला शिक्षा, रचनात्मक कार्यों की मदद से स्वतंत्रता आंदोलन में सहयोग किया।

⇒ उन्होंने स्वदेश प्रेम की भावना से अभिभूत होकर रात-दिन काम किया।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

स्वतंत्रता - पश्चात भी कमला जी का योगदान देखा जा सकता है :-

⇒ संविधान निर्मात्री संविधान सभा की एक महत्वपूर्ण सदस्या रहीं।

⇒ इसके अलावा गाँवों में गरीबी, कुपोषण के खिलाफ भी एक महत्वपूर्ण जंग का आगाज कमला जी ने किया।

⇒ उन्होंने आजादी के बाद महिला शिक्षा, जाति प्रथा उन्मूलन, विधवा पुनर्विवाह इत्यादि हेतु सराहनीय कार्य किया।

अतः कमला चट्टोपाध्याय स्वतंत्रता एवं पश्चात् भारत की प्रगति में योगदान देने वाली वीर नायिका थी।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

4. The inherent limitations of Napoleon's policy of Continental Blockade ultimately resulted in its failure. Analyze. **(150 words) 10**

नेपोलियन की महाद्वीपीय नाकेबंदी की नीति की अन्तर्निहित कमियां अंततः इसकी विफलता का कारण बनी। विश्लेषण कीजिए।

नेपोलियन ने ब्रिटिश शक्तियों से फ्रांस को सुरक्षित रखने तथा अंग्रेजों की घेराबंदी करने हेतु महाद्वीपीय नाकेबंदी नीति बनायी।

इस नीति की कमियां ही इसकी विफलता का कारण बनी। नीति में केवल कागजी योजना थी, इसको ठोस जमीन पर उतारने का मुद्दा न हो पाने के कारण यह विफल रही।

महाद्वीपीय नाकेबंदी ने दूसरी तरफ अंग्रेजों को अपने मिलों को मजबूत करने एवं उपनिवेशों में प्रतिस्पर्धा शुरू की। कारण में लॉर्ड वेलेजली

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

की आक्रामकता इसका प्रमुख उदा० है। उसने 'सहायक संधि नीति' द्वारा नेपोलियन की इस नीति का प्रतिरोध करना चाहा।

इसके अलावा महाद्वीपीय नाकेबंदी की नीति यूरोप की सीमाओं का तो ध्यान रखती थी परंतु उसके बाहर यह सफल नहीं हो सकी।

इसी का परिणाम था कि अंततः नेपोलियन को भी स्वयं अंत में आकर इसको तिलांजलि देनी पड़ी।

समग्रतः यह नीति अपनी अंतर्निहित कमजोरियों के कारण ~~कमजोर~~ असफल रही।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

5. Despite changes in the institution of marriage in recent times, there have been elements of continuity as well. Discuss in the context of India.

(150 words) 10

हाल के समय में विवाह नामक संस्था में परिवर्तनों के बावजूद, इसमें निरंतरता के तत्व बने हुए हैं। भारत के संदर्भ में चर्चा कीजिए।

भारत में विवाह को एक संस्था माना जाता है। हाल के समय में इसमें निम्नांकित परिवर्तन देखे जा सकते हैं:-

- संयुक्त परिवारों के स्थान पर 'एकल परिवारों' का उभार।
- 'संस्था' के बजाय कुछ लोगों द्वारा इसे 'कॉन्ट्रैक्ट'/समझौता मानना
- तलाकों एवं दाम्पत्य जीवन में टकराहटों एवं बिखराव की प्रवृत्ति बढ़ी है
- कैरियर को वरीयता देने के कारण अधिक उम्र में शादी/विवाह करने की प्रवृत्ति बढ़ी है।
- 'छोटा परिवार' की संकल्पना भी

मजबूत हुई है।

लेकिन फिर भी इसमें निरंतरता के तत्व बने हुए हैं: —

⇒ अभी भी विवाह को पवित्र बंधन मानने की संकल्पना बनी हुई है।

⇒ लिव इन रिलेशनशिप के रिश्ते बढ़े हैं लेकिन इनकी संख्या इतनी ज्यादा नहीं है कि संस्था आने संकट में हो।

⇒ आज भी विवाह के पश्चात पंजीकरण की प्रवृत्ति नहीं है।

सार यही है कि वैश्वीकरण व उपभोक्तावादी दौर में विवाह संस्था में कुछ परिवर्तन आए हैं, वहीं इसका पुरातन रूप भी आज विद्यमान है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

6. There are multiple disabilities that a person experiences in the course of ageing. Elaborate. Also identify key government initiatives taken for addressing them. **(150 words) 10**

कई अक्षमताएँ हैं जिनका एक व्यक्ति उम्र बढ़ने के दौरान अनुभव करता है। सविस्तार वर्णन कीजिए। साथ ही, इन्हें दूर करने के लिए सरकार द्वारा की गई प्रमुख पहलों की भी पहचान कीजिए।

एक वृद्ध व्यक्ति निम्नलिखित अक्षमताओं का सामना करता है! –

- भावनात्मक अलगाव की समस्या – एकल परिवारों के उदय एवं वैश्वीकरण का प्रभाव इस हेतु उत्तरदायी है।
- सामाजिक एवं आर्थिक असुरक्षा की भावना → गरिमापूर्ण जीवन जीने में बाधा।
- स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं
- बच्चों द्वारा old age home में भेज देना
- अनेक बीमारियों की निरंतरता।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

सरकारी पहलें

- प्रधानमंत्री जीवन ज्योति योजना → जीवन बीमा → मात्र 330 रु। प्रति वर्ष के प्रीमियम पर।
- प्रधानमंत्री दुर्घटना बीमा योजना → 12 ₹। प्रति वर्ष के प्रीमियम पर 2 लाख रुपये का दुर्घटना बीमा
- प्रधानमंत्री वय वंदना योजना → 8% ब्याज दर पर रिटर्न की गारंटी → वरिष्ठ नागरिकों हेतु।
- प्रधानमंत्री अमृत योजना → BPL वाले वरिष्ठ नागरिकों को चिकित्सा उपकरणों की होम डिलिवरी।

कुल मिलाकर बढ़ती उम्र का सामना करने हेतु सामाजिक व आर्थिक सुरक्षा महत्वपूर्ण है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

7. Highlight the reasons behind prevalence of low literacy rate among tribals. Also, mention some initiatives taken by the government in this regard.

(150 words) 10

जनजातियों के मध्य व्याप्त निम्न साक्षरता दर हेतु उत्तरदायी कारणों को रेखांकित कीजिए। साथ ही, इस संबंध में सरकार द्वारा की गई कुछ पहलों का भी उल्लेख कीजिए।

जनगणना-2011 के अनुसार भारत की साक्षरता 73.0% है। लेकिन अनुसूचित जनजातियों में तो यह और भी निम्न स्तर पर है।

इस हेतु उत्तरदायी कारण निम्न प्रकार हैं: —

⇒ सरकारी योजनाओं का प्रभावी कार्यान्वयन न हो पाना।

⇒ जन-जागरूकता का अभाव।

⇒ जनजातियों के सरकारी कार्यक्रमों के प्रति अविश्वास की भावना। क्योंकि उन्हें लगता है कि उनके जंगल, जमीन जंगल से विचित किया जा सकता है

⇒ जनजातियों में आदिजन्य प्रभाव।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

• दुर्गम क्षेत्रों में निवास होने के सरकारी पहलों का न पहुँच पाना।

सरकारी पहलें

⇒ एकलव्य आवासी विद्यालयों की स्थापना - 33% से अधिक जनजातीय इलाकों में आवासी विद्यालयों की स्थापना की जा रही है।

⇒ इसके अलावा छात्रवृत्ति कार्यक्रम भी चलाए जा रहे हैं।

⇒ कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय भी चलाए जा रहे हैं।

अतः जनजातियों में समग्र शिक्षा तभी पहुँचेगी जब सरकार, आमजनता, नागरिक ~~समाज~~ समाज का सहयोग होगा।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

8. Explain how Continental Drift Theory describes the changing configuration of the continents. Discuss the prominent evidences given by Alfred Wegener to support his theory. **(150 words) 10**

स्पष्ट कीजिए कि किस प्रकार महाद्वीपीय विस्थापन का सिद्धांत महाद्वीपों के परिवर्तित होते अभिविन्यास का वर्णन करता है। अपने सिद्धांत का समर्थन करने के लिए अल्फ्रेड वेगनर द्वारा दिए गए प्रमुख साक्ष्यों की विवेचना कीजिए।

अल्फ्रेड वेगनर महाद्वीपीय विस्थापन सिद्धांत दिया गया। यह सिद्धांत महाद्वीपों के परिवर्तित होते अभिविन्यास का निम्न प्रकार वर्णन करता है:—

- प्राचीन काल में इनकी महाद्वीपों का एक साथ जुड़ा होना & इसको पुष्टि करता है। जिसे उन्होंने 'पैंजिया' नाम दिया।
- इन महाद्वीपों के चारों ओर एक विशाल समुद्र था जिसे उन्होंने 'पैंथालासा' नाम दिया।
- वर्तमान में 7 महाद्वीपों का विकास बताता है कि इनके अभिविन्यास में परिवर्तन के परिणामस्वरूप नवीन महाद्वीप बने है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

अपने सिद्धांत हेतु वेगनर महोदय द्वारा दिए गए साक्ष्य हैं —

=> मेडागास्कर व भारत में लेमूरिया की उपस्थिति

=> अटलांटिक महासागर के किनारे बुलर्ड रेखा

=> टिलाइट निक्षेपों का दिखाई चट्टानों में पाया जाना

=> अफ्रीका व अमेरीका तट के समानांतर रेखा ।

सार यही है कि के सिद्धांत अपने समय में अपने खामियों को सुलझाता है ।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

9. The variety of landforms on the earth's surface is the result of internal and external forces. Discuss. **(150 words) 10**

पृथ्वी की सतह पर विभिन्न प्रकार की भू-आकृतियाँ आंतरिक और बाह्य बलों का परिणाम हैं। चर्चा कीजिए।

पृथ्वी पर पर्वत, पठार, मैदान, मरुस्थल, गर्त, महाद्वीप इत्यादि भू-आकृतियाँ पृथ्वी के आंतरिक एवं बाह्य बलों का परिणाम है।

- आंतरिक बल जैसे ज्वालामुखी - भूकंप इत्यादि के कारण पृथ्वी पर नवीन आकृतियाँ जैसा - ज्वालामुखी पर्वत, कॉल्डेरा, नवीन वलित इत्यादि का निर्माण होता है।

- आंतरिक बल सृजनात्मक होते हैं, जो पृथ्वी पर भिन्न-भिन्न प्रकार के स्थलरूपों का विकास करते हैं।

- वहीं दूसरी तरफ बाह्य बल जैसा अनाच्छादन किसी पृथ्वी पर

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

समता स्थापित करने का कार्य करती है।

- अपक्षय (भौतिक, रासायनिक, यांत्रिक) से चट्टान कणों का टूटना, वहीं अपरदन से उनका परिवहन भू-आकृतियों के समतलीकरण में योगदान देकर नवीन आकृतियों का निर्माण करता है।

- बहता जल, पवन इत्यादि अपक्षय व अपरदन जैसे बाह्य बलों के प्रभाव से नवीन स्थलाकृतियों का निर्माण करते हैं।

कुल मिलाकर आंतरिक व बाह्य बलों का सामंजस्य एवं संतुलन ही भू-आकृतियों हेतु उत्तरदायी है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

10. Explaining the concept of Lapse Rate, examine its relationship with atmospheric stability. **(150 words) 10**

ह्रास दर की अवधारणा की व्याख्या करते हुए, वायुमंडलीय स्थिरता के साथ इसके संबंधों का परीक्षण कीजिए।

'ह्रास की दर' एक महत्वपूर्ण भौगोलिक अवधारणा है।

कारण -

पृथ्वी की सतह से ज्यों-ज्यों ऊपर जाते है, त्यों-त्यों तापमान में गिरावट आती है। यह गिरावट 165 मीटर की ऊँचाई लगभग 1°C होती है। इसे सामान्य ताप ह्रास दर कहते है।

वायुमंडलीय स्थिरता में ह्रास दर की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। यह ऊपरी वायुमंडलीय परतों में वायु के घनत्व को कम करके वायु की विरलता प्रदान करती है।

इसके अलावा सामान्य स्थिति में इसके अपवाद होने से भी

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

तापमान बना रहता है।

यह ह्रास पर वायुमंडल में वर्षा, मेघों का बनना, चक्रवात एवं अनेक प्रकार के मौसम परिवर्तनों हेतु उत्तरदायी है।

यह प्राकृतिक चक्र को चलायमान करती है। इसके कारण वायुमंडल में स्थिरता आती है।

इस प्रकार ह्रास पर वायुमंडलीय स्थिरता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

11. The colonial period brought the influence of Western architectural forms to India. In this context, giving examples, highlight the contribution of Europeans to Indian architecture. **(250 words) 15**

औपनिवेशिक काल में भारत पर पश्चिमी स्थापत्य शैलियों का प्रभाव पड़ा। इस संदर्भ में, उदाहरण देते हुए, भारतीय स्थापत्य कला में यूरोप वासियों के योगदान पर प्रकाश डालिए।

भारतीय स्थापत्य कला समय-समय पर भिन्न-भिन्न प्रकार की शैलियों का प्रतिफलन से संपुष्ट होती रही है।

औपनिवेशिक काल में भारत पर 'गोथिक शैली' व 'नव शास्त्रीय शैली' का प्रभाव पड़ा।

भारतीय स्थापत्य कला में यूरोप वासियों का योगदान निम्न प्रकार समझा जा सकता है :—

- गोथिक शैली में भारतीय जलवायु के अनुकूल भवन निर्माण किया गया। यथा - छज्जे, खिड़कियां इत्यादि।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

- लॉरी - बेकर अनेक भारतीय इमारतों की नींव डाली।

- लुटियन ने राष्ट्रपति भवन, सचिवालय, साउथ ब्लॉक इत्यादि भवनों का निर्माण किया।

- इन संरचनाओं पर पाश्चात्य शैलियों का प्रभाव स्पष्ट रूप से दृष्टिगोचर होता है।

- बड़ी - बड़ी मीनारें, रेखागणितीय संरचनाएँ इत्यादि पाश्चात्य स्थापत्य कला की विशेषताएँ हैं।

- इसके अलावा पुर्तगालियों एवं

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

फ्रांसीसियों ने भी भारतीय स्थापत्य कला पर नवीन व विस्मृत न किए जा सकने वाले प्रभाव डाले।

- पुर्तगालियों की 'बेसाक वास्तुकला' के दर्शन गोवा के - गिरिजाघरों में किए जा सकते हैं। ये गिरजाघर UNESCO की मूर्त सांस्कृतिक विरासत की सूची में भी शामिल हैं।

- फ्रांसीसियों ने भी भारतीय जलवायु के अनुकूल भवन निर्माण पांडिचेरी, चंद्रनगर में किया।

अतः भारतीय स्थापत्य कला, पाश्चात्य कला के संपर्क से नवीन विशेषताओं का धारण करती है।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

12. The nineteenth century witnessed a struggle against the backward elements of traditional culture. Discuss in the context of socio-religious reform movements. **(250 words) 15**

उन्नीसवीं सदी वस्तुतः पारंपरिक संस्कृति के पश्चगामी तत्वों के विरूद्ध संघर्ष की साक्षी बनी। सामाजिक-धार्मिक सुधार आंदोलनों के संदर्भ में चर्चा कीजिए।

19 वीं शताब्दी का धर्म सुधार आंदोलन अपने मूल में सामाजिक - धार्मिक सुधारों तक ही सीमित नहीं था बल्कि इसने पाश्चात्य संस्कृति की प्रतिगामी तत्वों का भी प्रबल विरोध किया।

जब पारंपरिक संस्कृति में पश्चगामी तत्वों का बोलबाला हो गया, तब स्वाभाविक रूप से इसमें सुधार की आवश्यकता महसूस की गई।

- राजाराम मोहन राय ने 'सती प्रथा' जैसे पश्चगामी तत्वों को समाप्त करवाने हेतु लॉर्ड विलियम बेंटिक

के सहयोग से नियम XVII बनवाया और सती-प्रथा को गैर-कानूनी घोषित करवाया।

- इसके अलावा ईश्वरचंद्र विद्यासागर ने 'विधवा पुनर्विवाह अधि. 1856' पारित करवाया। इसके साथ ही 'विधवा विवाह' पुस्तक में विधवा विवाह के समर्थन में तर्क दिए।

- ज्योतिबा फुले तथा सावित्रीबाई फुले ने दलित वर्ग, महिला शिक्षा हेतु कार्य किया।

- इसके साथ ही पश्चगामी तत्वों जैसे जाति प्रथा, छुआछूत, बहुविवाह इत्यादि के विरुद्ध की नाराजगी हुक, गोपाल हरिदेशमुख इत्यादि सुधारकों ने

आवाज बुलंद की।

ये सारे प्रयास पारंपरिक संस्कृति में व्याप्त कुरीतियों एवं पश्चगामी तत्वों के विरुद्ध थे ताकि नवजागरण करके धर्म व समाज में सुधार लाया जा सके।

इसका परिणाम था कि स्वतंत्रता आंदोलन में राजनीतिक सुधार की समाज सुधारों से जुड़े और एक समग्र तस्वीर सामने आयी।

इस प्रकार उन्नीसवीं सदी के सामाजिक - धार्मिक सुधार आंदोलन ने पश्चगामी तत्वों का विरोध करके आधुनिकता की नींव रखी।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

13. Explaining the reasons behind partition of Bengal, discuss the successes and limitations of the Swadeshi movement launched in its wake.

(250 words) 15

बंगाल विभाजन के लिए उत्तरदायी कारणों की व्याख्या करते हुए, इसके आलोक में आरंभ किए गए स्वदेशी आंदोलन की सफलताओं और कमियों की विवेचना कीजिए।

तत्कालीन वायसराय लॉर्ड कर्जन द्वारा 1905 ई० में बंगाल विभाजन की घोषणा की गई। इस हेतु उत्तरदायी कारण निम्नांकित हैं: —

- बढ़ती हुई राष्ट्रीय चेतना को खंडित करने के उद्देश्य से अंग्रेजों की यह 'फूट डालो राज्य करो' की नीति का अंग था।

- बंगाल तत्कालीन समय में स्वतंत्रता आंदोलन का केन्द्र बिन्दु था। अतः अंग्रेज इसे विखंडित करना चाहते।

- हिन्दू - मुस्लिम एकता को भंग करना भी इसके मूल में था क्योंकि

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

अंग्रेजा 1857 की क्रांति के कटु अनुभवों का भूले नहीं थे।

- हालांकि अंग्रेजों ने विभाजन हेतु प्रशासनिक सुविधा का बहाना बनाया, जो कि गलत था।

इसी विभाजन का विरोध करने हेतु स्वदेशी आंदोलन शुरू हुआ। इसकी सफलताऐं हैं:—

- आंदोलन ने बहिष्कार (विदेशी माल) एवं स्वदेशी का नारा दिया।
- इसने जनता में आत्मनिर्भरता एवं स्वावलंबन का भाव जागृत किया।
- अंग्रेजी राज्य को आर्थिक नुकसान पहुंचाया।
- इस दौरान स्वदेशी संस्थाओं, कारखानों इत्यादि की नींव रखी गयी। जैसे बंगाल कैमिकल वर्क्स, राष्ट्रीय कॉलेज, ओरिएंटल आर्ट ऑफ इंडिया।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

आंदोलन की निम्नांकित कमियां थीं:-

- हिन्दू-मुस्लिम एकता का अभाव।
- नरमपंथी एवं गरमपंथियों के मतभेद खुलकर सामने आ गए और आंदोलन कमजोर पड़ गया।
- अंग्रेजों की सांप्रदायिक राजनीतिक चाल को तत्कालीन नेता समझने में सफल नहीं रहे।
- बड़े किसानों, जमींदारों, मजदूरों इत्यादि का सहयोग इस आंदोलन को प्राप्त नहीं हुआ।
- पूंजीपति वर्ग भी आंदोलन में शामिल नहीं हुआ।

कुल मिलाकर अंतिम कमियों के बावजूद स्वदेशी आंदोलन ने ऐसी जमीन तैयार की जो आगे चलकर गांधीवादी आंदोलन का आधार बनी।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

14. The reorganisation of states in India post-independence has been an ongoing process with distinct contributing factors. Analyse. **(250 words) 15**
स्वातंत्र्योत्तर भारत में राज्यों का पुनर्गठन अलग-अलग सहायक कारकों के साथ एक सतत प्रक्रिया रही है। विश्लेषण कीजिए।

भिन्न - भिन्न कारकों के आधार पर राज्यों का गठन आजादी के समय से बहुप्रतीक्षित था लेकिन आजादी के बाद इसने सततता प्राप्त कर ली।

सन् 1956 में राज्य पुनर्गठन आयोग का गठन फजल अली की अध्यक्षता में हुआ। इस आयोग ने 'एक भाषा : एक राज्य' के सिद्धांत को तो खारिज कर दिया लेकिन प्रशासनिक सुविधा, संसाधन के साथ - साथ भाषा को भी राज्य गठन का आधार बनाने की सिफारिश की।

अप्रैल 1953 ई. में आंध्रप्रदेश प्रथम भाषायी आधार पर गठित

राज्य था। आज तक यह प्रक्रिया निरंतर जारी है। वर्तमान में 28 राज्य व 9 केन्द्र शासित प्रदेश है।

इसके पीछे के कारकों में प्रशासनिक सुविधा, संसाधनों का असमानतामूलक वितरण (झारखण्ड व छत्तीसगढ़ के गठन के संबंध में), सांस्कृतिक विविधता को मान्यता देना इत्यादि कारक शामिल थे।

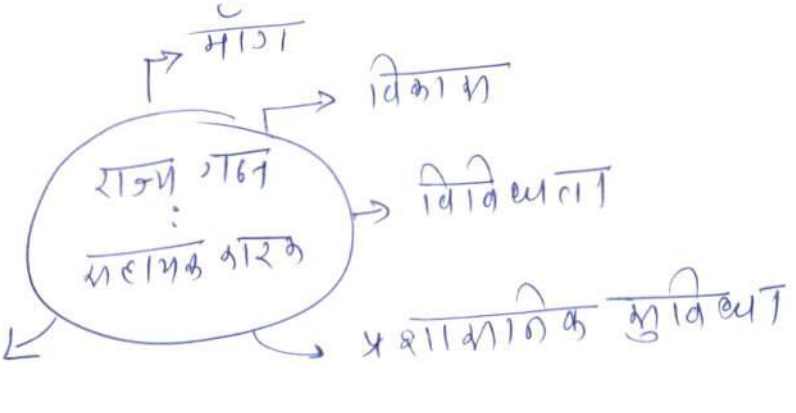

इसके अलावा वोट बैंक की राजनीति व क्षेत्रवाद की बढ़ती भावना ने भी नवीन राज्यों

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

के गठन को बल दिया।

इसके परिणामस्वरूप अंतर्राज्यीय जल विवाद, असंतोष, विवाद, अलगाववाद इत्यादि नकारात्मक पक्ष भी राज्यों के पुनर्गठन से पैदा हुए।

वर्तमान में गोरखालैण्ड, बोडोलैण्ड, विदर्भ, हरित प्रदेश इत्यादि नवीन राज्यों की मांग को इसी संदर्भ से जोड़कर देखा जा सकता है।

निष्कर्षतः नवीन राज्यों का गठन समावेशी विकास की धारणा के अनुरूप होना चाहिए अन्यथा यह क्षेत्रीयता की मांग में वृद्धि करेगा।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

15. The Treaty of Versailles was not a peace agreement based on reconciliation but was 'dictated peace' forced on Germany, which eventually triggered the Second World War. Examine. **(250 words) 15**

वर्साय की संधि सुलह पर आधारित शांति समझौता नहीं थी, बल्कि जर्मनी पर थोपी गई 'आदेशित शांति' थी, जिसने अंततः द्वितीय विश्व युद्ध का मार्ग प्रशस्त किया। परीक्षण कीजिए।

वर्साय की संधि (1919 AD)
शांति समझौता नहीं होकर एक
20 वर्षीय युद्ध विराम दस्तावेज
था। जो 1939-45 ई. में द्वितीय
विश्वयुद्ध के रूप में सामने आया।

- इस संधि द्वारा जर्मनी पर अपमानजनक शर्तें थोपी गई।

- जर्मनी की सार कोयला खानों पर मित्र राष्ट्रों का कब्जा, जर्मनी को सेना रखने की अनुमति न देना इत्यादि बातें संधि के तहत की गई थीं।

- इसके अलावा मित्र राष्ट्रों को

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

एक बड़ी धनराशि युद्ध हर्जाने के तौर पर दी गई।

इस प्रकार यह जर्मनी पर थोपी गई संधि थी। जिसके कारण द्वितीय विश्व युद्ध (1939-45 AD) हेतु जमीन निम्न प्रकार तैयार हुई:—

- संधि ने जर्मनी की जनता में हीनताबोध एवं ग्लानि की भावना भर दी।
- इसी का फायदा उठाकर हिटलर जैसे नाजीवादी शासक का प्रादुर्भाव हुआ।
- हिटलर ने जर्मनी के लोगों को आत्मगौरव व राष्ट्रभक्ति का भाव। देकर तानाशाही

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

की नींव रखी।

- इसी के परिणामस्वरूप द्वितीय विश्वयुद्ध की चिंगारी जला उठी और आस्ट्रिया व पोलैण्ड के साथ युद्ध की शुरुआत से शुरू हुई।

- विभाजन की संधि की असफलता का परिणाम था कि द्वितीय विश्वयुद्ध ही परिणाम था कि तीनों जगहों पर बड़ा जल, थल, नभ तीनों जगहों पर बड़ा गया और दुनिया महाविनाश के चक्र में झोंक दी गई।

इस प्रकार वर्साय की संधि ने कहीं न कहीं उस बदला लेने की भावना को मजबूत किया जो प्रथम विश्वयुद्ध में जर्मनी की पराजय में छिपी थी।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

16. Legal measures alone are not sufficient for addressing the issue of domestic violence against women, rather it requires intervention at societal level. Discuss. **(250 words) 15**

महिलाओं के विरूद्ध घरेलू हिंसा की समस्या को दूर करने हेतु केवल कानूनी उपाय ही पर्याप्त नहीं हैं, बल्कि इसके लिए सामाजिक स्तर पर भी हस्तक्षेप की आवश्यकता है। चर्चा कीजिए।

नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे-4 (NFHS-IV) के अनुसार 15 वर्ष से अधिक उम्र की प्रत्येक तीसरी महिला घरेलू हिंसा के किसी न किसी रूप से पीड़ित है।

इसीलिए घरेलू हिंसा की रोकथाम हेतु निम्नलिखित कानूनी उपाय किए गए हैं:—

1) घरेलू हिंसा अधि., 2005 (DWA, 2005)
यह घरेलू हिंसा के सभी रूपों को (शारीरिक, मानसिक, यौनिक, आर्थिक) अपराध घोषित और गैर - जमानती करता है।

2) आईपीसी की धारा-498 A भी दहेज से सुरक्षा प्रदान करती है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

3) दहेज निषेध कानून 2005 भी दहेज को दण्डनीय घोषित करता है।

लेकिन इसकी निम्नांकित कमियां हैं:-

- महिलाओं में जन-जागरूकता का अभाव
- अधिकारियों का महिलाओं के प्रति संवेदनशील व्यवहार न होना।
- वैवाहिक बलात्कार को शामिल न करना
- पुलिस तंत्र में व्याप्त भ्रष्टाचार
- दूरदराज के इलाकों जैसे ग्रामीण इलाके, आदिवासी इलाके इत्यादि तक कानून की पहुंच न होना।

इसीलिए घरेलू हिंसा से निपटने हेतु सामाजिक हस्तक्षेप की आवश्यकता है:—

- सिविल सोसायटी, NGO, मीडिया इत्यादि की मदद से समाज में जन-जागरूकता।
- स्वयंसेवकों की मदद से महिला अधिकारों

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

पर सेमिनार, संगोष्ठी इत्यादि का समय-समय पर आयोजन।

- पुलिस अधिकारियों की संवेदनशीलता का प्रशिक्षण।
- शिक्षा की पहुँच ताकि महिलाओं का राजनीतिक, आर्थिक एवं सामाजिक सशक्तीकरण।
- निजी क्षेत्र द्वारा CSR गतिविधियों को महिला सुरक्षा पर खर्च करने हेतु प्रोत्साहित करना।

अतः घरेलू हिंसा का कलंक आधुनिक सभ्य समाज से तभी समाप्त होगा जब कानूनी मोर्चे पर ठोस क्रियान्वयन व सामाजिक हस्तक्षेप होगा।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

17. India is undergoing a demographic transition the implications of which are multipronged. Analyze. **(250 words) 15**
भारत जनसांख्यिकीय संक्रमण से गुजर रहा है जिसके निहितार्थ बहुआयामी हैं। विश्लेषण कीजिए।

वर्तमान भारत में दो भारत बसते है — एक युवा भारत (यु० भारत) तथा दूसरा वृद्ध भारत (वृ० भारत)।

भारत सरकार द्वारा जारी 'यूथ डवलपमेन्ट इंडेक्स 2017 रिपोर्ट-18' के अनुसार भारत की 65% आबादी 35 वर्ष से कम आयु की है।

लेकिन यह युवा आबादी जनसांख्यिकी संक्रमण से गुजर रही है। इसके निहितार्थ बहुआयामी हो सकते है।

अगर इस युवा जनसंख्या को कौशलयुक्त, शिक्षित व स्वस्थ रखा गया तो यह देश

की GDP में योगदान देगी ।

(युवा जनसंख्या)

⇓

जनसांख्यिकी लाभांश

↓

कार्यशील जनसंख्या

↓

लाभकारी नदि

शिक्षित है ← कौशलयुक्त है → स्वस्थ है

⇓

वस्तुओं एवं सेवाओं का
अधिक उत्पादन ।

अगर यह जनसंख्या उपरोक्त
मानकों से युक्त नहीं होगी तो
देश पर बोझ बन जाएगी ।

इसके अलावा दक्ष हो रहा
दक्षिण भारत नवीन कामगारों
की समस्या से भी चार होगा ।

ऐसी स्थिति में अगर उ० भारत

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

की जनसंख्या (जो अपेक्षाकृत अधिक युवा है) को कुशल नहीं किया गया तो श्रम की किल्लत के साथ-साथ जनसांख्यिकीय लाभांश की विफलता बढ़ जाएगी।

इसके वर्तमान में चौथी औद्योगिक क्रांति (Industry 4.0), रोबोटिक्स, AI इत्यादि के अनुकूल कौशल विकसित करना भी नवीन चुनौती है अन्यथा तकनीक की प्रवृत्ति में बदलाव नवीन संकट पैदा कर सकता है।

कुल मिलाकर प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना, स्टार्टअप इंडिया, स्टैंड अप इंडिया इत्यादि योजनाओं का ठोस कार्यान्वयन करके उद्यमशीलता व नवाचार की संस्कृति पैदा करके जनांकिकी लाभांश का लाभ उठाया जा सकता है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

18. Highlight the significance of watershed development in India. Give reasons for the limited success of initiatives directed towards watershed management in India. Also, suggest some measures to improve the design of watershed programs. **(250 words) 15**

भारत में जल संभर (वाटरशेड) विकास के महत्व पर प्रकाश डालिए। भारत में जल संभर प्रबंधन की दिशा में की गई पहलों की सीमित सफलता के पीछे निहित कारण प्रस्तुत कीजिए। साथ ही, जल संभर कार्यक्रमों की अभिकल्पना में सुधार लाने हेतु कुछ उपायों का भी सुझाव दीजिए।

भारत में वाटरशेड कार्यक्रम का विकास एक मील का पत्थर माना जाता है।

इसका महत्व इस प्रकार है :-

- इसकी मदद से वर्षा जल संचयन व संरक्षण भी संभव हुआ है।
- नदियों के छोटी जल का बेहतर प्रबंधन की पहलों से वाटरशेड कार्यक्रम की महत्वपूर्ण विशेषता है,
- इसने एक तरफ बाढ़ नियंत्रण में भूमिका अदा की है, वहीं दूसरी ओर सूखा नियंत्रण में भी

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

प्रशंसनीय कार्य किया है।

- इसके अलावा औसजलस्तर का रिचार्ज एवं पेयजल, सिंचाई को भी गति दी है।

भारत सरकार ने इस दिशा में वाटरशेड कार्यक्रम की शुरुआत की। इसकी सीमित सफलता के पीछे निम्नांकित कारण हैं! —

- समय पर परियोजनाओं का पूरा न हो पाना।
- पर्याप्त तकनीक एवं गुणवत्ता-प्रवाह को सुनिश्चितता न हो पाना।
- लोगों में जागरूकता का अभाव होने से सहयोग न करना।
- इसके अलावा सरकारी तंत्र की लेटलतीफी भी इसकी सीमित सफलता हेतु एक प्रमुख कारण रही है।

इसीलिए जलसंभर कार्यक्रमों की अवधारणा में सुधार हेतु उपाय निम्न है:-

- जन-जागरूकता का प्रचार-प्रसार
- निम्न मॉडल का पालन

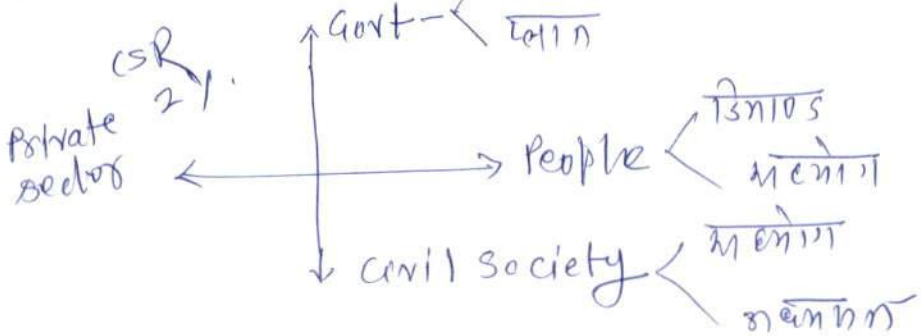

- समय पर प्रोजेक्ट पूरे हों, इस हेतु पर्याप्त तकनीकी मदद, फंड आदि की सुनिश्चितता की जाए।
- सफलतम विधियों का आपस में आदान-प्रदान किया जाए।

इस प्रकार समावेशी विकास हेतु जलसंभर प्रबंधन एक महत्वपूर्ण कदम है। इस हेतु सामूहिक प्रयासों की जरूरत है।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

19. Explain the relationship between raw materials and location of industries. How are globalisation and technological advancements changing this relationship? **(250 words) 15**

कच्चे माल और उद्योगों की अवस्थिति के मध्य संबंध स्पष्ट कीजिए। वैश्वीकरण और तकनीकी प्रगति इस संबंध को कैसे परिवर्तित कर रहे हैं?

उद्योगों की अवस्थिति का निर्धारित करने वाले अनेक कारकों (यथा-परिवहन, बाजार, श्रम सुविधा इत्यादि) में से महत्वपूर्ण कारक कच्चा माल है।

कच्चे माल तथा उद्योगों की अवस्थिति के मध्य संबंध- इस प्रकार है:—

- उद्योगों की स्थापना सामान्यतः उन स्थानों पर करने को वरीयता दी जाती है, जहाँ कच्चा माल मिलता है।
- लेकिन इसे दो कारक प्रभावित करते हैं।

प्रथम → यदि कच्चा माल भार-ह्रासी है, तो उद्योग कच्चे माल के स्रोत के निकट स्थित होगा। उदा० के लिए

अधिकांश गन्ना मिलों का दक्षिणी भारत में स्थित होना क्योंकि गन्ना भार ह्रासी है।

द्वितीय - यदि कच्चा माल भार-ह्रासी नहीं तो अन्य कारकों यथा परिवहन, बाजार को ध्यान में रखकर उद्योग की स्थापना की जाती है। यथा - पेट्रोलियम शोधन रिफाइनरियों का कच्चे माल के स्रोत के बजाय नगरों में होना।

लेकिन वैश्वीकरण एवं तकनीकी प्रगति का इस पर निम्न प्रकार प्रभाव पड़ता है:—

- वैश्वीकरण कच्चे माल की उपलब्धता बढ़ाकर एवं सस्ता कच्चा माल पूर्ति करके उद्योगों को उन स्थानों पर स्थानांतरित कर देता है, जहाँ कच्चा माल सस्ता है।

उदा० हेतु विकासशील देशों

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

में विकसित देशों की कंपनियों की स्थापना।

- इसके अलावा तकनीकी प्रगति कच्चा माल की प्रसंस्करण, भंडारण व संग्रहित को आसान करके उद्योग स्थापना को आसान बनाती है और अगर

तकनीक महंगी है ⇓ सस्ते श्रम वाले क्षेत्रों में उद्योग स्थापित होगा

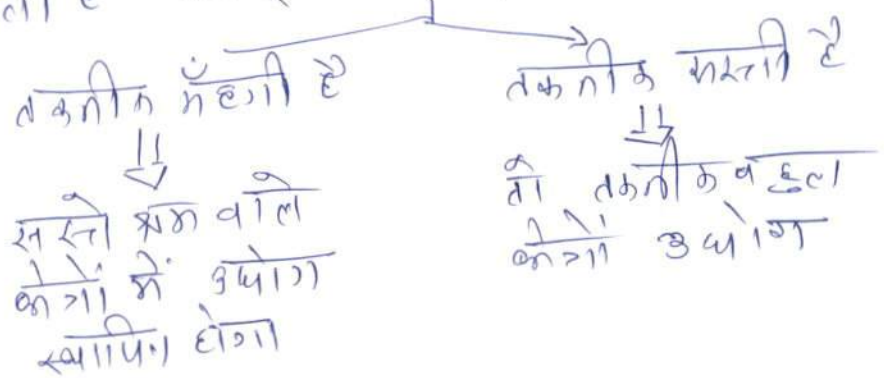

तकनीक सस्ती है ⇓ तो तकनीक बहुल क्षेत्रों उद्योग

कुल मिलाकर वर्तमान वैश्वीकरण व उद्योग 4.0 के युग में नवीन तकनीकी बदलाव देखने को मिलते हैं, जो उद्योग व कच्चे माल की अवस्थिति पर प्रभाव डालते हैं।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

20. Explain how natural greenhouse effect helps in maintaining Earth's heat budget. What are the possible implications of rising concentration of greenhouse gases (GHGs) in atmosphere on Earth's heat budget?

(250 words) 15

स्पष्ट कीजिए कि किस प्रकार प्राकृतिक ग्रीनहाउस प्रभाव पृथ्वी का उष्मा बजट बनाए रखने में सहायता करता है। पृथ्वी के उष्मा बजट पर वायुमंडल में ग्रीनहाउस गैसों (GHGs) की बढ़ती सांद्रता के संभावित निहितार्थ क्या हैं?

पृथ्वी के एक समान ताप व ऊष्मा धारण करने के पीछे प्राकृतिक ग्रीनहाउस प्रभाव है।

पृथ्वी प्राकृतिक ग्रीनहाउस की भाँति कार्य करती है। यह सूर्य से आने वाली लघु तरंग दैर्ध्य विकिरणों को तो आने देती है लेकिन वायुमंडल में ग्रीनहाउसों की परत ~~साथ~~ दीर्घ तरंग दैर्ध्य वाली विकिरणों को वापस लौटा देती है

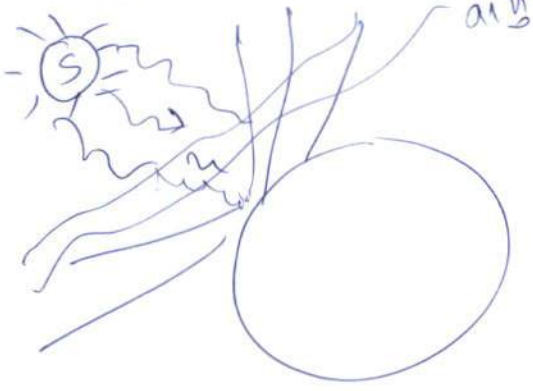

इनमें से कुछ ऊर्जा परावर्तित, अपवर्तित, विकिरण इत्यादि रूप में ऊर्जा अधिक हो जाती है। इसके अलावा कुछ अंतरिक्ष में विसरित हो जाती है।

लेकिन इन ऊर्जा बजट को ग्रीनहाउस गैसें प्रतिकूल रूप से प्रभावित करती हैं क्योंकि ये दीर्घतरंगीय विकिरण को रोक लेती हैं।

निहितार्थ

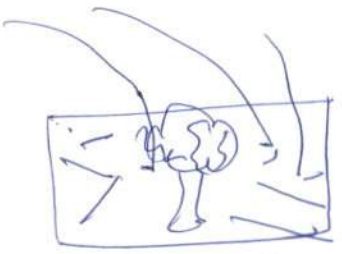

- तापमान में वृद्धि → पृथ्वी सतह अधिक गर्म फलत: ग्लोबल वार्मिंग व जलवायु परिवर्तन
- IPCC के अनुसार तापमान वृद्धि ग्लेशियरों की बर्फ को पिघलाकर समुद्री जल स्तर में वृद्धि → तटीय राज्यों व राष्ट्रों का डूबना जैसे → हाल ही में इंडोनेशिया द्वारा राजधानी परिवर्तन के मूल में यही कारण है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

- खाद्य - सुरक्षा पर प्रतिकूल प्रभाव → कीमतों में वृद्धि → भूख व अकाल → गृहयुद्ध → आंतरिक सुरक्षा प्रतिकूल रूप से प्रभावित।
- उष्णकटिबंधीय चक्रवातों एवं आपदाओं की बारंबारता व आवृत्ति में वृद्धि
- जूनोटिक रोगों में वृद्धि । इबोला, नीपाह etc
- समुद्री जैवविविधता पर प्रभाव → कोरल रीफ का विनाश ।

अतः ~~पेरिस~~ - किगाली समझौता, पेरिस जलवायु परिवर्तन समझौता - 15 इत्यादि इस दिशा में महत्वपूर्ण प्रयास है ।